भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 5356
बुधवार, 25 मार्च, 2026 को उत्तर देने के लिए

'नाविक' उपग्रह प्रणाली

5356. श्री दुष्यंत सिंहः

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रक्षेपित किए गए और वर्तमान में क्रियाशील उपग्रहों की संख्या सहित 'नाविक' (एनएवीआईसी) उपग्रह समूह (कॉन्स्टेलेशन) की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) नागरिक नौवहन, विमानन सुरक्षा, समुद्री संचालन और आपदा प्रबंधन के लिए 'नाविक' (एनएवीआईसी) की कवरेज सीमा और सेवा क्षमताओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) 'नाविक' को राष्ट्रीय हवाई यातायात प्रबंधन और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रणालियों के साथ एकीकृत करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या कारगिल युद्ध समीक्षा समिति जैसे पिछले रणनीतिक आकलनों, जिन्होंने स्वदेशी नौवहन और निगरानी क्षमताओं की आवश्यकता पर बल दिया था, के आलोक में 'नाविक' और संबंधित उपग्रह प्रणालियों को सुरक्षित नौवहन और रीयल-टाइम स्थितिजन्य जागरूकता जैसे रक्षा-संबंधी अनुप्रयोगों के लिए क्रियाशील किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) रणनीतिक तैयारी और तकनीकी आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए भारत के स्वायत्त उपग्रह नौवहन ढांचे को और सुदृढ़ करने हेतु क्या रूपरेखा है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) कुल ग्यारह नाविक उपग्रह प्रक्षेपित किए गए हैं; इनमें से आठ उपग्रह कार्यशील हैं। तीन उपग्रह नौवहन संकेत प्रसारित कर रहे हैं और पांच उपग्रह एकतरफा संदेश भेजने में सक्षम हैं।

..2/-

(ख) और (ग)

नाविक उपग्रह समूह को भारत और भारतीय भूभाग से 1500 किमी के क्षेत्र में नागरिक नौवहन, समुद्री संचालन और आपदा प्रबंधन जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों में स्थिति, नौवहन और समय (पीएनटी) संबंधी सेवाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हवाई यातायात प्रबंधन में नाविक को अपनाने के संबंध में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण/नागर विमानन मंत्रालय के साथ बातचीत जारी है। यह ध्यान देने योग्य है कि भारत की अंतरिक्ष-आधारित संवर्द्धन प्रणाली गगन कार्यशील है और हवाई नौवहन के लिए सेवाएं प्रदान कर रही है। अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) विभिन्न महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं, जैसे वास्तविक समय में ट्रेन अनुवर्तन, मछली पकड़ने वाले जहाजों से संपर्क और सहायता प्रणाली, यात्रियों की सुरक्षा के लिए सार्वजनिक एवं वाणिज्यिक वाहनों पर स्थान निर्धारण प्रणाली और आईएसटी प्रसार में नाविक के उपयोग के विस्तार हेतु निरंतर प्रयासरत है।

(घ) एवं (ङ)

अंतरिक्ष विभाग सुरक्षित नौवहन सेवा प्रदान करने के लिए नाविक और संबंधित उपग्रह प्रणालियों के प्रचालन हेतु सक्रिय रूप से काम कर रहा है। उपग्रह नौवहन अवसंरचना को और मजबूत करने के रोडमैप में नाविक आधारभूत उपग्रह समूह को पूरा करना तथा उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सेवाओं का उपयुक्त संवर्धन और तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए अंतरिक्ष-स्तरीय परमाणु घड़ी सहित स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का समावेशन शामिल है।

****